

अपशु वि. (तत्.) [अ+पशु] 1. जो पशु न हो, पशु से भिन्न 2. जो पशुरहित हो अर्थात्, जिसके पास पशुओं का अभाव हो 3. समझदार।

अपशोक वि. (तत्.) [अप+शोक] 1. जो शोक रहित हो पुं. अशोक वृक्ष।

अपश्री वि. (तत्.) शोभारहित, श्रीहीन।

अपश्रुति स्त्री. (तत्.) 1. दे. अवश्रुति 2. अपकीर्ति।

अपशवास पुं. (तत्.) अपानवायु अथवा, गुदा मार्ग से निकलने वाली वायु।

अपसमायोजन पुं. (तत्.) [अप+समायोजन] 1. किसी वस्तु, व्यक्ति से संबंधित गुणों/विचारों आदि का किसी अन्य के साथ ठीक से तालमेल न होना 2. गलत ढंग से मिलन या मिलान।

अपसारण पुं. (तत्.) 1. भाग जाना, निकल जाना 2. निकल भागने का रास्ता 3. नियत बिंदु से दूसरी ओर चले जाना divergence

अपसर्जन पुं. (तत्.) 1. विसर्जन 2. त्याग, छोड़ना 3. दान।

अपसर्पण पुं. (तत्.) 1. पीछे हटना 2. जासूसी करना।

अपसवना अ.क्रि. (तत्. अपसवण) 1. कहीं से सब की उपस्थिति में चुपके से निकल जाना 2. चुपचाप बाहर हो जाना, खिसक जाना 3. किसी स्थान से भाग जाना।

अपसव्य वि. (तत्.) 1. सव्य अर्थात् बाएँ के विपरीत, दाहिना, दक्षिण 2. जिसका यज्ञोपवीत दाहिने कंधे पर हो।

अपसव्य परिक्रमा स्त्री. (तत्.) [अपसव्य-परिक्रमा] 1. किसी देवी या देवता आदि को मध्य से रखकर उसके दाहिनी तरफ से चारों ओर गोलाकार परिक्रमा करना 2. दाहिनी ओर से चक्कर लगाना 3. दक्षिणवर्त परिक्रमा विलो. सव्यपरिक्रमा

अपसाधारण वि. (तत्.) साधारण से भिन्न।

अपसामान्य वि. (तत्.) सामान्य मानक स्थिति से भिन्न, असाधारण abnormal

अपसामान्यता स्त्री. (तत्.) अपसामान्य होने की स्थिति abnormality

अपसामान्य पौद स्त्री. (तत्.) पौद जिसमें अनुकूल पर्यावरण में भी स्वस्थ पौद के रूप में परिवर्धित होने की क्षमता नहीं होती दे. पौद।

अपसामान्य मनोविज्ञान पुं. (तत्.) मनोविज्ञान की वह शाखा जिसमें व्यक्ति के व्यवहार की विलक्षणता, विकारों, मानसिक, न्यूनताओं आदि का अध्ययन किया जाता है। abnormal psychology

अपसार पुं. (तत्.) 1. बाहर जाना या निकलना 2. बाहर जाने का मार्ग 3. बाहर निकली वस्तु।

अपसारण पुं. (तत्.) 1. बलपूर्वक निकाल कर बाहर करना 2. नियम भंग करने के कारण हटा देना 3. दूर कर देना।

अपसारित वि. (तत्.) 1. निष्कासित, निकाला गया 2. दूर किया गया।

अपसारी वि. (तत्.) 1. अपसारण करने वाला 2. परस्पर एक दूसरे से भिन्न या बिरुद्ध दिशा में गमन करने वाले या रहने वाले 3. पृथक्-पृथक्, भिन्न-भिन्न 4. परस्पर विरोधी।

अपसारी श्रेढी/श्रेणी स्त्री. (तत्.) गणि. वह अनन्त श्रेणी जिसका योगफल कभी एक निश्चित संख्या में नहीं होगा, अर्थात्-अनंत होता है divergent series विलो. अभिसारी श्रेढी/श्रेणी।

अपसिद्धांत पुं. (तत्.) ऐसा विचार जो सिद्धांत के विपरीत हो, विरोधी सिद्धांत, भ्रमजनित सिद्धांत।

अपसृत वि. (तत्.) [अप+सृत] 1. अपने किसी दायित्व या अधिकार को छोड़कर भागा हुआ 2. जिसे किसी स्थान या पद से हटा दिया गया हो 3. किसी चीज को बेहतरीन फैलाया हुआ 4. जो फँका हुआ हो 5. युद्ध क्षेत्र से भागा हुआ।

अपसृति स्त्री. (तत्.) [अप+सृति] 1. किसी स्थान से पीछे हट जाने की स्थिति 2. दूर भागने की